दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर कारखाना

खड़गपुर कारखाना

दर्पण

संरक्षक

सीताराम सिंकू
मुख्य कार्य प्रबंधक

प्रधान संपादक

संजय त्यागी
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं
उप मुख्य यांत्रिक
इंजीनियर(कारखाना)

संपादक

तारकेश्वर शर्मा

सहायक संपादक

वेद प्रकाश मिश्र

तकनीकी संपादक

उदय कुमार मिश्र
सीनियर इंजीनियर(आई. टी.)

पत्राचार हेतु पता

संपादक
खड़गपुर कारखाना दर्पण
राजभाषा अनुभाग,
मुख्य कार्य प्रबंधक कार्यालय,
खड़गपुर कारखाना
पोस्ट : खड़गपुर-721301

केन्द्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खड़गपुर कारखाना की 102 वीं बैठक का आयोजन

दिनांक 12.12.2014 को केन्द्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खड़गपुर कारखाना की 102 वीं बैठक श्री सीताराम सिंकु, मुख्य कार्य प्रबंधक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। श्री संजय त्यागी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर(सवारी डिब्बा) ने बैठक में उपस्थित अध्यक्ष महोदय, सभी सदस्यों एवं विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिवों के साथ आमंत्रित सदस्यों का स्वागत किया। श्री तारकेश्वर शर्मा, कनिष्ठ अनुवादक ने अध्यक्ष महोदय से मुख्य बिंदुओं पर निर्देश एवं मार्गदर्शन का अनुरोध किया। पिछली तिमाही के कार्यवृत्त की मदवार पुष्टि के साथ कार्यसूची पर चर्चा हुई।

अध्यक्ष की अनुमति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए। खड़गपुर कारखाने के समस्त शाखा अधिकारी को निदेश दिया गया कि इन मदों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें :-

(क) विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सचिव अपने विभाग की राजभाषा मासिक प्रगति रिपोर्ट हर माह की 2 तारीख़ को अनिवार्य रूप से राजभाषा अनुभाग, खड़गपुर कारखाना को भेजें ताकि मुख्यालय को सही समय पर कारखाने की समेकित राजभाषा मासिक प्रगति रिपोर्ट भेजी जा सके।

(ख) खड़गपुर कारखाने की ई-पत्रिका 'खड़गपुर कारखाना दर्पण' के लिए अपनी मौलिक व अप्रकाशित रचनाएँ हर माह की 15 तारीख़ तक राजभाषा अनुभाग, खड़गपुर कारखाना को भेज दें।

(ग) विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सचिव अपने शाखा अधिकारी को माह में एक बार राजभाषा हिन्दी से संबंधित गार्ड फाइल अवश्य प्रस्तुत करें एवं शाखा अधिकारी से अद्यतन स्थिति से अवगत कराते हुए उनसे गार्ड फाइल में हस्ताक्षर करा लें।

(घ) विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सचिव अपने विभाग के प्रशिक्षण योग्य कर्मचारियों हेतु हिन्दी भाषा प्रशिक्षण, टंकण प्रशिक्षण एवं आशुलिपि प्रशिक्षण से संबंधित एक अलग रजिस्टर तैयार करें कि उनके विभाग के कितने कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाना शेष है।

(ङ) अपने विभाग की विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की हर तिमाही की बैठक केन्द्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के एक माह पहले अवश्य करा लें।

(च) प्रत्येक मंगलवार को समस्त शाखा अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि अपने विभाग/कार्यालय/अनुभाग/शाप में ज्यादा से ज्यादा कार्य हिन्दी में संपन्न किए जाएँ। खड़गपुर कारखाने के समस्त शाखा अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि अपने विभाग/कार्यालय/अनुभाग/शॉप कंप्यूटरों में यूनिकोड एवं गुगल इनपुट टुल साफ्टवेयर लोड करा लिए जाएँ।

अन्त में धन्यवाद ज्ञापन किया श्री वेद प्रकाश मिश्र ने।

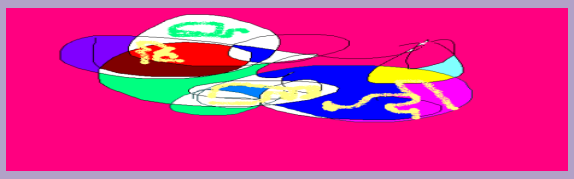

66 वाँ गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य कार्य प्रबंधक का संभाषण

रेल परिवार के सभी भाइयों, बहनों एवं बच्चों !

66 वाँ गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर आप सभी को अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रकट करता हूँ। मैं आपके परिवार के सभी सदस्यों को भी इस अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ और आपके व्यक्तिगत जीवन की खुशहाली के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ।

आज अपने प्यारे तिरंगा को सलाम करते हुए हमें अपार गर्व का अनुभव हो रहा है। आज के ही दिन हमारा संविधान लागू हुआ। "सबका साथ, सबका विकास" नारे के बल पर हमें हर क्षेत्र में विकास के नए कृतिमान स्थापित करना है। वैसे तो भारतीय रेल का देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। भारतीय रेल हमारे देश की जीवन रेखा है। खड़गपुर कारखाना भारतीय रेल का अभिन्न हिस्सा है और इसकी महत्ता को हम सभी जानते हैं। कारखाने में कार्य संस्कृति पर हमें विशेष रूप से बल देना है। कार्य संस्कृति एवं पर्यावरण को समुन्नत करने के प्रश्न पर हमारे महाप्रबंधक महोदय काफी तत्पर हैं अतएव हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम कारखाने में कार्य संस्कृति विकसित करें एवं पर्यावरण में सुधार लाने हेतु कारखाने के अंदर साफ-सफाई के मामले में सजग रहें और हरे-भरे पेड़-पौधों का संरक्षण करें।

जैसा कि आप जानते हैं यह खड़गपुर कारखाना सभी तरह की रेलगाड़ियों की मरम्म्ती का काम करता है। रेलवे बोर्ड एवं महाप्रबंधक द्वारा दिए गए लक्ष्यों की पूर्ति में हम हमेशा प्रयत्नशील रहे हैं। पिछले वर्ष और इस वर्ष की पहली छमाही में खड़गपुर कारखाने के सभी क्षेत्रों में प्रगति हुई है। इन उपलब्धियों के लिए मैं, कारखाना के समस्त अधिकारीगण, पर्यवेक्षकों, कर्मचारियों एवं रेल यूनियन के पदाधिकारियों के पारस्परिक सहयोग की भूरी-भूरी प्रशंसा करता हूँ।

अब मैं वर्ष 2014 की कुछ उपलब्धियों को आपके समक्ष रखना चाहूँगा। आउट-टर्न के मामले में हम लक्ष्य के अनुसार चल रहे हैं। 2014 के लिए आउट-टर्न के लिए निर्धारित लक्ष्य 1242 की जगह हमने 1278 कोच का आउट-टर्न दिया है।

- दिसम्बर 2014 में ए.सी. गाड़ियों के आउट-टर्न में लक्ष्य की तुलना में 7% की वृद्धि हुई ।
- 237 इएमयू का आउट-टर्न हुआ, जो लक्ष्य से पीछे चल रहा है और अगले तीन महीने में लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।
- डीजल लोको में 72 लोको का आउट-टर्न रहा और लक्ष्य हासिल हुआ।
- पहियों का आउट-टर्न इस वर्ष 13135 के आंकड़े को छू गया।
- हल्दिया/डेमू कारखाने से पहला डेमू रेक तैयार किया गया है, जिसे हल्दिया कारखाने से हाजीपुर को भेजा गया। इस माह के अंत दूसरा रेक तैयार होने उम्मीद है।

अन्य उपलब्धियाँ: खड़गपुर कारखाना की वर्ष 2014-15 की उपलब्धियों में जैव शौचालय (Biotoilet) से युक्त आठ बोगियों का टर्न-आउट हुआ है।

स्क्रेप निपटान: स्क्रैप और कचरे के निष्पादन के क्रम में खड़गपुर कारखाना ने 5479.028 मीट्रीक टन फेरस और 155.593 मीट्रीक टन ननफेरस स्क्रैप जमा किया है।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत और रेलवे बोर्ड के अनुदेशों के तहत एक विशेष सफाई अभियान मुख्य कारखाना इंजीनियर/ गार्डनरीच के नेतृत्व में खड़गपुर / कारखाना में चलाया गया। सभी अधिकारी, विभागीय कर्मचारी, मजदूर संगठनों के सदस्य, प्रादेशिक सेना, नागरिक सुरक्षा दल के सदस्य एवं अन्य संगठनों के सदस्यों ने इस सफाई अभियान में भाग लिया। इस अभियान के दौरान हम सभी ने यह प्रतिज्ञा ली है कि सप्ताह में 2 घंटे हम अपने कार्य स्थल की साफ-सफाई में अपना योगदान देंगे। मेरी सभी से यह विनती है कि हम सभी इसका पालन करें और देश के स्वच्छ भारत अभियान में अपना योगदान दें।

व्यवस्था सुधार : पिछले कुछ दिनों में कई व्यवस्था सुधार के कार्य किए गए हैं, जिससे कार्य में विश्वसनीयता और कार्यकुशलता बढ़ी हैं। इनमें प्रमुख हैं :-

1. रेलवे बोर्ड के निर्देशों के तहत एल.पी.जी. के उपकरणों, पेन्ट्री कार की पाइप लाईन की जांच एवं प्रमाणन एच.पी.सी.एल. की प्राधिकृत एजेन्सी द्वारा किए जाने की शुरुआत हुई है, जिससे संरक्षा सुनिश्चित हो।
2. डीजल पीओएच शॉप द्वारा मोटरवाली डीजल बोगीलाइट रन मशीन स्वतः बनाई गई है। इससे बोगी के कार्यकुशलता की विश्वसनीयता बढ़ी है।
3. मेन बीअरिंग फैल्योर को रोकने के लिए बोर मेन्ड्रेल: 8 बोर का मेन्ड्रेल पास करा कर सैडल बोर की जाँच की शुरुआत की गई है। इससे सैडल में बोर का एलाइनमेन्ट सुनिश्चित होता है और मेन बीअरिंग फेल्योर के मामले नहीं होते।
4. बिजली विभाग ने कोच के डिफेक्टिव प्री. कूलिंग चार्जर की कोर निकालकर, एक ट्रांसफार्मर बनाया गया है, जिससे इएमयू रेक को बिना मोटर कोच को चालू करके जाँचा जा सके।
5. 140/230 वोल्ट ए.सी. सिंगल फेज ट्रांसफरमर उसी तरह के कोर से डिजाइन किया गया है, जिससे निरीक्षण यान SE 10565 के AC प्रणाली और अन्य उपकरण चल सकेंगे।
6. उत्पादन : एक्सल बाक्स कैन्टिंग और ग्रीज निकलने के मामलों के लिए विशेष अभियान चलाए गए हैं।
    A. फेल्ट सील की जांच/निरीक्षण पर बल दिया गया है।

B. ICF लांग बोल्ट की स्ट्रेटनेस की जांच शुरू की गई, परंतु इन त्रुटियों पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है और हमलोगों को और कार्य करना है।

7. कार्मिक विभाग : वर्ष 2014 के दौरान आरआरबी द्वारा 60, आरआरसी द्वारा 330, अनुकंपा के आधार पर 54, खेलकूद कोटा के तहत 5 अर्थात् कुल 342 भर्ती की गईं और इनमें अधिकतर को विभिन्न शॉपों में पदस्थापित किया गया है। सेटलमेंट मामलों में 344 एनआर मामलों तथा 63 ओएनआर मामलों का निपटारा किया गया। पदोन्नति के मामले में भी इसी तरह योग्यता परीक्षण के 29 मामले तथा ट्रेड टेस्ट के 14 एवं चयन परीक्षा के एक मामले निपटाए गए। स्थानान्तरण के मामलों के लिए कम्पट्रॉन(COMPTRAN) पहले ही चालू किया जा चुका है। कोर्ट मामलों में कैट के 18 मामलों में से 17 में जीत हुई। इसी तरह उच्च न्यायालय के 10 मामलों में से 9 में जीत हुई।

भविष्य की योजना : क्रिस(CRIS) द्वारा रेलवे कारखानों का कंप्यूटरीकृत करने का भारतीय रेल द्वारा प्रायोजित महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट वाइज(WISE) पर कार्य किया जा रहा है। CRIS ने अब तक 5 कारखानों में यह कार्य संपन्न किया है। बहुत जल्द खड़गपुर कारखाने में भी कंप्यूटरीकरण कार्य शुरू होने वाला है। केन्द्र सरकार के आदेशानुसार सभी केन्द्रीय संस्थान एवं कार्यालयों में आधार बेस्ड बायोमेट्रिक अटेन्डेन्स प्रणाली चालू करनी है, जिसके लिए प्रारंभिक कार्य शुरू कर दिया गया है। इन सभी कार्यों में आप सभी का और सभी यूनियन और एसोशिएशन तथा कर्मचारियों का सहयोग अपेक्षित है, ताकि हमलोग जल्द इस प्रणाली को लागू कर सकें।

कारखाना हमारी कर्मभूमि है, अपने कार्यों से हमें इस जगह को रोशन करना है। आइए, साथ चलकर हम देश की प्रगति में अपनी छोटी लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से हमें जिस तरह से आजादी मिली, और उनके अमर त्याग और बलिदान को हम बड़े गर्व के साथ पुन: स्मरण करते हैं। इस पावन अवसर पर हम उन विशिष्ट महापुरूषों को भी नमन करते हैं, जिन्होंने इस महान उद्देश्य हेतु अपना बलिदान दिया।

जय हिन्द !

*****

खड़गपुर कारखाना में सरस्वती पूजा का आयोजन

कारखाना में सरस्वती पूजा का आयोजन बड़े धूमधाम से होता है। इस वर्ष भी बसंत के आगमन को उत्साह के साथ मनाया गया। विभिन्न कार्यालयों में संपन्न पूजा की कुछ झलकियाँ.....और साथ में श्री तारकेश्वर शर्मा जी की एक वन्दना.....

माँ सरस्वती वंदना

जब-जब मैंने तुम्हें पुकारा
जब-जब मैंने तुम्हें पुकारा, माँ ; तू दौड़ी आयी।
मेरे रिक्त हृदय को भर दी, मैंने कविता पायी।।

जीवन में उल्लास भर गया, पाकर मधुर तराना।
समझ गया मैं लक्ष्य तुम्हारा, ऊसर को पनपाना।।

भावों की तू पावन सरिता, कल्पवृक्ष हो माते !
तेरा ही तो वरदहस्त पा, ज्ञानी, कवि हो पाते।।

ज्ञान और विज्ञान सभी को तुमने जन्म दिया है।
तिमिर-जाल में उलझे मन का भी कल्याण किया है।।

बुद्धि कोश तू, विद्यामयि तू, नव प्रभात हो माते !
बड़े भाग्य उनके होते हैं, जो तुमको हैं पाते।।

सरस हृदय, मधुरस चिन्तन तू, करुणा का तू सागर।
तेरी दया-दृष्टि को पाकर कितने बनते नागर।।

मुझको है विश्वास अपरिमित सदा सहारा देगी।
दिव्य-दृष्टि से पल-पल मेरी खोज खबर तू लेगी।।

कलम न रुकने पाये माते ! साथ सदा तू रहना।
सत्य-मार्ग का अवलम्बन माँ ! स्वयं बनी तू रहना।।

#*#

महाप्रबंधक महोदय का वार्षिक निरीक्षण - मार्च 2015

मोहक बसंत फिर आया है

: तारकेश्वर शर्मा 'विकास' :

मोहक बसंत फिर आया है।
नूतन सौरभ बिखराया है।।
खेतों में सरसों फूली है,
पिक डाल-डाल बोले, चहके।
मस्ती है अजब हवाओं में,
उपवन-उपवन सौरभ बहके।।
हर पुष्प अनघ मुस्काया है।
मोहक बसंत फिर आया है।।

जो अपने हैं वह तो अपने,
बेगाने अपने आज बने।
भीनी-भीनी ख़ुशबू पाकर,
अनजाने अपने आज बने।।
मधुकर ने गीत सुनाया है।
मोहक बसंत फिर आया है।।

उत्साह नवल, अनुराग नवल,
आनन्द भरा अग, जग दिखता।
फिर भी पलाश के फूलों से,
विरहिनि का उर प्रतिपल जलता।।
प्रिय ! द्वन्द्व चतुर्दिक छाया है।
मोहक बसंत फिर आया है।।

अब भेद नहीं मुझमें-तुझमें,
हम ऐसे एकाकार हुए।
अपनत्व बोध अंकुरित हुआ,
नभ ने धरती के होंठ छुए।।
अनुराग राग लहराया है।
मोहक बसंत फिर आया है।।

*****